आतंकवाद का भारत और विश्व की समस्या

1. आतंकवाद भारत की ही नहीं । पूरे विश्व की जटिल समस्या है ।
2. कोई भी इंसान । माँ पेट से । आतंकवादी पैदा नहीं होता है ।

सवाल नं 1

1. इस संसार को चलाने वाली । अद्रश्य शक्ति का । उचित ज्ञान न होने के कारण । इंसान भटक जाता है । और आतंकवादी बन जाता है ।

सवाल नं 2

1. और य फिर आतंकवादी इंसान । धन के लालच में आकर बनता है ।

जवाब नं 1 संसार चलाने वाली शक्ति क्या है

1. विश्व एक है । तो उसे संचालित करने वाली शक्ति भी एक ही है और हम सब उसी अद्रश्य शक्ति की संतान हैं ।
2. वही अद्रश्य शक्ति जो हर जगह । मौजूद विध्वंसमान है । जो सिर्फ प्रकाश है । जिस शक्ति को । आज तक । किसी ने देखा नहीं है । लेकिन उसकी मौजूदगी का एहसास । हम सबको है ।

अद्रश्य शक्ति द्वारा हम मनुष्यों को विशेष सुविधा

1. उस अद्रश्य शक्ति ने । अनगिनत प्राणियों में । सिर्फ मनुष्यों को ही । धर्म के पवित्र रास्ते से । अपने पास आने का । एहसास दिया है । रास्ता दिया है । और धर्म गुरु दिये हैं ।
2. उस अद्रश्य शक्ति ने । यह सुविधा किसी और प्राणी को नहीं दी है ।

हमारे धर्म गुरु

1. धर्म गुरु । हमें सदबुद्धि से । जीवन जीना सिखाते हैं । अद्रश्य शक्ति द्वारा । रचे हुये प्राणियों से । प्रेम करना सिखाते हैं । अद्रश्य शक्ति द्वारा । रचे हुये किसी भी प्राणी । य मनुष्यों की । हत्या न करना । सिखाते हैं ।
2. उस अद्रश्य शक्ति को । अलग अलग । धर्म गुरुओं के द्वारा । हम अलग अलग । नामों से जानते हैं ।
3. कोई । परम पिता परमात्मा । कोई अल्लाह । कोई येशू मशीह । कोई गुरु साहेब । आदि किसी भी । नाम से पुकारता है । और उन्हें किसी भी । नाम से पुकारो । शक्ति तो एक ही है ।
4. अलग अलग धर्म गुरुओं के द्वारा । कई धर्म जन समुदाय बनाये गये ।

5. उन धर्म जन समुदायों को हम । अलग अलग नामों से जानते हैं । हिन्दू । मुसलिम । सिख । इसाई । आदि और भी नामों से ।
6. सभी धर्म गुरुओं व्दारा । एक ही संदेश दिया गया है ।
7. कि उस अद्रश्य शक्ति को । पल पल याद रखना । सदबुध्दी से । जीवन जीना । प्राणीयों से प्रेम करना । किसी भी । प्राणी य मनुस्य की हत्या न करना । व पर्यावरण की रक्षा । सुरक्षा करना आदि ।
8. कि धर्म रास्ता है । और अद्रश्य शक्ति मंजिल है । और इंसान को । धर्म रास्ता से होते हुए । अद्रश्य शक्ति मंजिल तक जाना है ।
9. कि धर्म रास्ता है । उस अद्रश्य शक्ति को प्राप्त करने का । और रास्ता कभी भी मंजिल नहीं बन सकती ।
10. और इंसान रास्ते को ही । मंजिल समझ बैठा है ।
11. सभी धर्म गुरुओं व्दारा । एक ही संदेश देने का कारण यह है । कि सभी धर्म गुरुओं को । प्रेरित करने वाली शक्ति भी । एक ही है ।
12. सभी धर्म गुरुओं ने । इंसान को इसानियत के रास्ते पर । चलाने के लिए नियम बनाये । और उन नियमों को पुस्तकों मे लिखा । जिन्हे हम धर्म ग्रन्थ कहते है ।
13. अलग अलग धर्म गुरु होने के कारण । धर्म ग्रन्थों का । अलग अलग नाम पडा है ।
14. श्री मद् भागवत गीता । श्री कुरान । श्री बाइबल । श्री गुरु साहेब ग्रन्थ । आदि अन्य ।
15. लेकिन इन सभी धर्म ग्रन्थों मे । एक ही बात लिखी गई है । इंसान को । इसानियत के रास्ते पर चलाने के नियम । क्योंकि सभी धर्म गुरुओं को । प्रेरित करने वाली शक्ति भी । एक ही है

और हम मूर्ख मानव

1. और हम मूर्ख मानव । धर्म रास्ते को ही । अद्रश्य शक्ति । मंजिल समझ बैठे हैं ।
2. और हम मूर्ख मानवों ने । उस अद्रश्य शक्ति को । श्रेष्ठ मानने की बजाय । हमने अपने अपने रास्ता धर्म को ही । श्रेष्ठ मानना शुरू कर दिया ।
3. और हम मूर्ख मानव । अपने अपने रास्ता धर्म को ही । श्रेष्ठ कहने लगे ।
4. और हम मूर्ख मानवों ने । हमारा धर्म अधिक श्रेष्ठ है । इसी बात पर झगडा । मारामारी शुरू कर दिया ।
5. और हम मूर्ख मानवों ने । अपने धर्म जन समुदाय को बढ़ाने के लिए । धर्म परिवर्तन शुरू कर दिया ।
6. और हम मूर्ख मानवों ने । अपने धर्म पर । न चलने वालों की हत्यायें । और नर संहार शुरू कर दिया ।

7. और हम मूर्ख मानवों ने । अपने अपने धार्मिक जलसे उत्सव को । मनाने में झगडे शुरू कर दिये ।
8. और हम मूर्ख मानवों ने । दूसरे के धार्मिक स्थल को नष्ट करके । अपना धार्मिक स्थल बनाना शुरू कर दिया ।
9. हम मूर्ख मानव । बात यह भूल चुके हैं । कि हम एक ही । अद्रश्य शक्ति की संतान हैं ।
10. हम मूर्ख मानव । बात यह भूल चुके हैं । कि सभी धर्म । एक ही शक्ति से संचालित हैं ।
11. और हम मूर्ख मानव यह भूल चुके हैं । कि कोई धर्म छोटा य बड़ा नहीं है ।

उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है

1. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि धर्म रास्ते को । मंजिल न समझे ।
2. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि सभी धर्मों को । समान माने जाये ।
3. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि कोई भी धर्म । छोटा य बड़ा । न माना जाये ।
4. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि किसी भी धर्म के लिए । नर संहार न किया जाये ।
5. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि किसी भी धर्म के । धार्मिक स्थल न गिराये जाये ।
6. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । की जबरी धर्म परिवर्तन न कराया जाये ।
7. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । की दूसरे धर्म को । छोटा न माना जाये ।
8. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । की अपने धर्म को । बड़ा न माना जाये ।
9. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश है । जो विश्व के सभी व्यक्तियों को मानना जरूरी है । कि सभी धर्मों का । समान आदर किया जाये ।

उस अद्रश्य शक्ति का आदेश न मानने पर

1. उस अद्रश्य शक्ति का आदेश न मानने वाले भी । अन्त में । जायेंगे तो उसी की पनाह में । तब उन्हें क्या सजा मिलेगी । उन्हें कौन से दोख में । डाला जायेगा । यह तो अद्रश्य शक्ति ही जानती है ।

2. इसी लिए लेखक का । सभी धर्म समुदायों के अनुयायियों से । करबध्द अनुरोध है । उस अद्रश्य शक्ति के । आदेश का पालन करे । अद्रश्य शक्ति के । आदेश के विपरीत । कार्य न करे ।
3. उस अद्रश्य शक्ति के सबसे ज्यादा प्रिय । मानव जाति का संहार न करे ।
4. उस अद्रश्य शक्ति के प्रिय । धार्मिक स्थलों के न नष्ट करे ।
5. सभी धर्म । जन समुदाय आपस मे । प्रेम और भाईचारे से रहे ।
6. क्योंकि हम सब एक ही पिता की संतान है । और हम सब भाई भाई है ।

जवाब नं 2 आतंकवाद का जिम्मेदार नगद रूपया नोट धन

समस्या नगद रूपया नोट धन

1. आज विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट के चलन से ।
2. नगद रूपया नोट व्दारा । कुछ भी । खरीदी कर सकने की आजादी से ।
3. नगद रूपया नोट व्दारा । कितना भी । खरीदी कर सकने से ।
4. नगद रूपया नोट को । कैसे भी । खर्चा कर सकने की आजादी से ।
5. हमेशा । बहुत । बडे बडे । भयंकर । अपराध होते है ।
6. आज विश्व मे । य किसी भी । भारतीय नागरिक के पास । रूपया नोट । किसी भी रास्ते से आये ।
7. चाहे 1. चोरी से आए । 2. डकैती से आए । 3. लूटमार से आए । 4. जेब कतरी से आए । 5. अपहरण से आए । 6. जाली नोटो से आये । 7. सट्टा से आए । 8. मटका से आए । 9. जुंवा से आए । 10. झूठ बोल कर आए । 11. छलकपट करके आए । 12. बेईमानी करके आए । 13. गद्दारी करके आए । 15. धोखा देकर आए । 16. तस्करी से आए । 17. नशीला पदार्थ बेचकर आये । 18. हवाला से आए । 19. हप्ता वसूली से आए । 20. गाडियाँ चोरी से आए । 21. सोना लूटकर आए । 22. चाँदी लूट कर आए । 23. नग लूटकर आए । 24. नगद रूपया लूटकर आए । 25. जमीनी दलाली से आए । 26. काला बाजारी से आए । 27. मुनाफा खोरी से आए । 28. रिस्वत से आए । 29. काला धन से आए । 30. टैक्स चोरी करके आए । 31. जनता व्दारा जमा टैक्स लूटकर आए । 32. देश सुरक्षा वैपन की दलाली से आए । 33. देश की गुप्त जानकारीयाँ बेचने से आए । 34. देश का खनिज बेचकर आए । 35. जंगल काट कर आए । 36. जंगल की कीमती लकडी बेच कर आए । 37. जंगली जानवरों को बेच कर आए । 38. जंगली जानवरों के अंग बेच कर आए । 39. बैंक डकैती से आए । 40. बैंक से गबन से आए । 41. बैंक दिवालिया से आए । 42. बैंक धन हेरा फेरी से आए । 43. बैंक ए टी एम चोरी से आए । 44. इंसानी खरीद बिक्री से आये । 45. वैश्यावृत्ति से आए । 46. वैश्याओं की दलाली से आए । 47. दहेज से आए । 48. दूसरी शादी से आए । 49. बच्चों से भीख मगाँ कर आए । 50. भीख माँग कर आए । 51. भ्रूण हत्या से आए । 52. खून बेचं कर आए । 53. भ्रष्टचाचार से आए ।

54. स्कूली डोनेशन से आए । 55. स्कूली मनचाही फीस से आए । 56. टियूशन य क्लासेस की मनचाही फीस से आए । 57. मरीजों से मनचाहा धन लेकर आए । आदि य अन्य किसी भी । अनैतिक रास्ते से आए ।

8. रूपया नोट धन । हाथ मे आते ही । व्यक्ति । उस रूपया नोट धन का । मालिक हो जाता है ।
9. उस रूपया नोट से । कुछ भी खरीद सकता है । कितना भी खरीद सकता है ।
10. नागरिक । उस रूपया नोट धन को । मनमर्जी तरीके से खर्चा करता सकता है ।
11. क्योकी । खर्चा करने मे । कोई रोक टोक नही है । रूपया नोट धन को खर्चा करने की । खुली आजादी है । .

आज नागरिक को आजादी है की

1. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी घर खरीदे ।
2. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी बंगले खरीदे ।
3. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी कोठी खरीदे ।
4. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी प्लाट खरीदे ।
5. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी खेती जमीन खरीदे ।
6. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी सोना खरीदे ।
7. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी चांदी खरीदे ।
8. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी नग खरीदे ।
9. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी गाडियां खरीदे ।
10. नगद रूपया नोट धन । देश । य विदेशों के । किसी भी बैंक मे । धन जमा करे । कोई रोक टोक नही है ।
11. रूपया नोट । जिसके जिसके हाँथ मे है । वह व्यक्ति रूपया नोट का । मालिक होता है । वह रूपया नोट को । जैसे चाहे । वैसे खर्चा कर सकता है ।
12. व्यक्ति के । गाडी मेहनत की कमाई । किसी भी । दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आते ही ।
13. व्यक्ति आसानी से । खर्चा कर सकता है ।
14. यह एक । महान अव्दतीय सुविधा है । जो हमारे पूर्वजों ने । हमे बनाकर दिया है ।
15. कि हम इंसानी समस्याओं को । आसानी से हल कर सके ।
16. लेकिन हम । स्वार्थी लोग । स्वार्थ मे अन्धे होकर । पूर्वजों व्दारा बनाई गई । इस महान अव्दतीय सुविधा का । गलत उपयोग करने लगे हैं ।
17. इसे रोकना बहुत जरूरी है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बड़े नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनों सेना । तीनों सेनाओं के अध्यक्ष राष्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बड़े व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राइवेट आर्कीटेक्ट । चार्टर्ड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बड़े किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगड़े हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उद्देश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्याओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।

17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

फार्मूला नगद धन

1. विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट का चलन बन्द होकर । नगद रूपया नोट की जगह ।
2. कार्डों का चलन होने से । विश्व की । य भारत की । सभी समस्याओं का । अन्त हो जायेगा ।
3. कार्डों का चलन होने पर । जिस व्यक्ति के । गाडी मेहनत की कमाई है । सिर्फ । वही व्यक्ति खर्चा कर सकता है ।
4. किसी भी दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आने पर भी । दूसरा व्यक्ति । किसी के गाडी मेहनत की कमाई । खर्चा नहीं कर सकता है ।
5. आज हमारे भारत मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे चली जाये । वही व्यक्ति उस धन का । मालिक बन जाता है ।
6. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति । उपयोग नहीं कर सकता ।

जीसियो नियम से समाधान उपाय

1. विश्व मे । रूपया का चलन बन्द होकर । कार्डों के आ जाने से । का धन । आतंकवादियों के हाँथ मे नहीं जा पायेगा ।
2. विश्व मे । रूपया का चलन बन्द होने से । जाली रूपया व्दारा । का धन । आतंकवादियों के हाँथ मे । नहीं जा पायेगा ।
3. विश्व मे । रूपया का चलन बन्द होने से । किसी भी समाज सेवी संस्था व्दारा धन आतंकवादियों के हाँथ मे नहीं जा पायेगा ।
4. विश्व मे । रूपया का चलन बन्द होने से । हप्ता व्दारा धन । आतंकवादियों के हाँथ मे नहीं जा पायेगा । किसी भी तरह से धन । आतंकवादियों के हाँथ मे नहीं जा पायेगा ।

भारत मे एस एस कार्ड यानी समाज सेवा कार्ड

1. समाज सेवा के लिए । एस एस कार्ड यानी । समाज सेवा कार्ड मिलेगा ।
2. समाज सेवी के एस एस कार्ड मे । मदद कर्ता का पूरा विवरण । कार्ड नं के साथ । एस एस कार्ड मे अंकित होगा ।
3. और समाज सेवी के एस एस कार्ड मे । खर्च का पूरा विवरण । कार्ड नं के साथ । एस एस कार्ड मे अंकित होगा ।
4. जिससे विश्व की । कोई भी समाज सेवी संस्था । आतंकवादियों को । धन मुहैया नहीं करा पायेंगी ।

नोट

1. यदि विश्व के सभी देश । अपने अपने देशों मे । नगद धन का चलन बन्द करके । कार्डों को उपयोग मे लाते है ।
2. तो आतंकवादियों को । किसी भी देश के । किसी भी नागरिक से । न तो धन मिलेगा । और न मदद मिलेगी ।
3. क्योंकि आतंकवाद सिर्फ धन से चलता है । और लोगों के मदद के सहारे चलता है ।
4. और आतंकवाद को । धन । और मदद न मिलने से । आतंकवाद न होमे से । पूरे विश्व से शान्ती कायम हो जायेगी ।
5. पूरे विश्व से । आतंकवाद की समस्या से । निजात पाने का । येही एक रास्ता है । जो बेहद जरूरी है ।

लेखक किसी भी । आतंकवादी के बिरोध मे मही है । लेखक सिर्फ । खराब सिस्टम को । सही करने के पक्ष मे है । ताकि विश्व के सभी लोग । सुख शान्ती । और भाई चारा कि जिन्दगी जियें । इसके बावजूद भी यदि किसी भी । आतंकवादी भाई को । यदि बुरा लगता है । तो लेखक को माफ करें । लेखक कर बंधद माफी चाहता है

जय विश्व अग्रणी भारत की

देश भारत खलवान